A-298

Total Pages : 2 **Roll No. .....**

MAHL–508

साहित्यशास्त्र एवं हिन्दी समालोचना (भाग दो)

एम. ए. हिन्दी (MAHL)

2nd Semester Examination, 2024 (June)

Time : 2:00 Hrs. Max. Marks : 70

नोट : – यह प्रश्न-पत्र सत्तर (70) अंकों का है, जो दो (02) खण्डों 'क' तथा 'ख' में विभाजित है। प्रत्येक खण्ड में दिए गए विस्तृत निर्देशों के अनुसार ही प्रश्नों को हल करना है। ***परीक्षार्थी अपने प्रश्नों के उत्तर दी गई उत्तर-पुस्तिका तक ही सीमित रखें। कोई अतिरिक्त (बी) उत्तर-पुस्तिका जारी नहीं की जायेगी।***

खण्ड–क

(दीर्घ उत्तरीय प्रश्न) 2×19=38

नोट : – खण्ड 'क' में पाँच (05) दीर्घ उत्तरीय प्रश्न दिये गये हैं, प्रत्येक प्रश्न के लिए उन्नीस (19) अंक निर्धारित हैं। शिक्षार्थियों को इनमें से केवल **दो** (02) प्रश्नों के उत्तर देने हैं।

1. हिन्दी आलोचना के इतिहास में शुक्ल युग के महत्व को रेखांकित कीजिए।

2. हिन्दी साहित्य में मार्क्सवाद के उदय की पृष्ठभूमि पर प्रकाश डालते हुए मार्क्स-वाद की विशेषताओं को स्पष्ट कीजिए।

3. ''आधुनिकता का सहज विकास उत्तर आधुनिकता है'' इस कथन की समीक्षा कीजिए।

4. यथार्थवाद से आप क्या समझते हैं ? यथार्थवाद की साहित्यिक महत्ता एवं सीमाओं की विवेचना कीजिए।

5. ''समकालीन हिन्दी आलोचना के क्षेत्र में नामवर सिंह अग्रणी हैं।'' विस्तारपूर्वक समझाइए।

खण्ड–ख

(लघु उत्तरीय प्रश्न) 4×8=32

नोट : – खण्ड 'ख' में आठ (08) लघु उत्तरीय प्रश्न दिये गये हैं, प्रत्येक प्रश्न के लिए आठ (08) अंक निर्धारित हैं। शिक्षार्थियों को इनमें से केवल **चार** (04) प्रश्नों के उत्तर देने हैं।

1. मार्क्स द्वारा प्रतिपादित द्वंद्वात्मक भौतिकवाद के सिद्धांत पर टिप्पणी कीजिए।

2. शैली विज्ञान से आप क्या समझते हैं ?

3. संरचनावाद की प्रमुख विशेषताएं बताइए।

4. नई समीक्षा के मूलभूत सिद्धांत को रेखांकित कीजिए।

5. उत्तर आधुनिकता संबंधी विभिन्न मतों पर प्रकाश डालिए।

6. आचार्य रामचंद्र शुक्ल के व्यक्तित्व एवं कृतित्व का संक्षिप्त परिचय दीजिए।

7. हिन्दी आलोचना की विभिन्न धाराओं का उल्लेख कीजिए।

8. यथार्थवाद और अतियथार्थवाद में अंतर स्पष्ट कीजिए।

****